शुक्रवार
13 जनवरी 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

ग्रामीणों की हकमारी कर रही एलएंडटी कंपनीः सम्राट 4

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

दरभंगा की तर्ज पर पटना के तारामंडल को भी विकसित करें: नीतीश

- दरभंगा में तारामंडल सह विज्ञान संग्रहालय का सीएम नीतीश कुमार ने किया लोकार्पण
- सीएम ने तारामंडल में ब्रह्मांड से संबंधित दिखाई जा रही जानकारी को हिन्दी में करने का दिया सुझाव

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में गुरुवार को दरभंगा में तारामंडल सह विज्ञान संग्रहालय के शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। इस मौके पर नीतीश कुमार ने तारामंडल सह विज्ञान संग्रहालय का नामकरण तारामंडल सह विज्ञान एवं ज्ञान संग्रहालय करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तारामंडल में ब्रह्मांड से संबंधित जो जानकारी दिखाई जा रही है यदि वह हिंदी भाषा में एक्सप्लेन हो तो लोग उसे भलीभांति जान और समझ सकेंगे। यहां काफी बेहतर ढंग से तारामंडल का निर्माण हुआ है,

इसे देखकर मुझे काफी खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि यहां एयरपोर्ट भी बन गया है, बाहर से आनेवाले लोग भी अब तारामंडल देख सकेंगे। यहां बिहार के विभिन्न हिस्सों से भी लोग आएंगे। मुख्यमंत्री ने पटना के तारामंडल को भी आधुनिकतम बनाने का निर्देश दिया।

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना में तारामंडल पहले से था अब बिहार का दूसरा तारामंडल दरभंगा में बनाया गया है। काफी समय पहले जब हम कोलकाता गये थे तो वहां का तारामंडल देखकर मुझे काफी अच्छा लगा था। उसी समय हमने सोचा था कि इससे से बढ़िया तारामंडल बिहार के दरभंगा में बनना चाहिए। कई साल पहले हमने दरभंगा में तारामंडल बनाने को लेकर तय किया था। यहां पर अब तारामंडल बन गया है। यहां आनेवाले लोगों को नेचर के बारे में एक-एक चीज की जानकारी मिलेगी। पूरे यूनिवर्स के एक-एक चीज की जानकारी यहां मिलेगी।

164 करोड़ की लागत से बना है दरभंगा में तारामंडल

दरभंगा के कैदराबाद में तारामंडल-सह-विज्ञान संग्रहालय, दरभंगा का निर्माण कराया गया है। यह 164.31 करोड़ की लागत से 3.88 एकड़ भूमि में निर्मित किया गया है। प्रथम चरण में 20922 वर्ग मीटर के परिसर में तारामंडल-सह-विज्ञान संग्रहालय का निर्माण 92 करोड़ 80 लाख की लागत से किया गया है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 5000 वर्ग मीटर है। इस तारामंडल में सौर मंडल के ग्रहों, नक्षत्रों की स्थिति एवं खगोलीय घटनाओं की जानकारी 2-डी एवं 3-डी फिल्मों के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी। इसमें 150 लोगों के बैठने की क्षमता है। भवन में एक 300 क्षमता का प्रेक्षागृह भी निर्मित है जिसमें विज्ञान से संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। 50 लोगों की क्षमता वाला ऑरिएन्टेशन हॉल है, जिसमें आगंतुकों को तारामंडल में उपलब्ध प्रदर्शों एवं प्रदर्शित किए जा रहे फिल्मों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही इस भवन में पारदर्शी ग्लास के भीतर लिफ्ट अधिष्ठापित किया गया है जिससे लिफ्ट की पूरी कार्यप्रणाली बच्चे देख और समझ सकेंगे। सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए एक माह तक रोस्टर बनाकर तारामंडल का निःशुल्क शो दिखाया जायेगा। पुस्तकालय, कैफे एवं गिफ्ट शॉप की सुविधा के साथ-साथ यहां वैज्ञानिक प्रदर्शनी की सुविधा है। तारामंडल के ऊपरी तल पर पार्क बनाया गया है।

पीएम मोदी बोले... दुनिया इस समय संकट की स्थिति में है

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्ष, युद्ध, आतंकवाद और उससे खड़ी होने वाली विभिन्न वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए गुरुवार को कहा कि दुनिया संकट की स्थिति में है। पीएम मोदी ने साथ ही यह भी कहा कि ये अनुमान लगाना मुश्किल है कि अस्थिरता की यह स्थिति कब तक रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए खाद्य, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों, कोविड-19 वैश्विक महामारी के आर्थिक प्रभावों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ऐसे सरल, व्यावहारिक और टिकाऊ समाधान ढूंढें जाने को वक्त की जरूरत बताया जो समाज और अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव ला सकें।

उन्होंने कहा, विकासशील विश्व जिस तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसके बावजूद मैं इस बात को लेकर आशावादी हूं कि हमारा समय आयेगा। वक्त की जरूरत है कि हम सरल, पूरा करने योग्य और टिकाऊ समाधान ढूंढें जो समाज और अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव ला सकें। मोदी ने कहा, ऐसे दृष्टिकोण के साथ हम कठिन चुनौतियों से पार पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में नयी ऊर्जा का सृजन करने तथा चुनौतियों से निपटने के लिये प्रतिक्रिया, पहचान, सम्मान और सुधार के वैश्विक एजेंडे पर चलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं के बारे में प्रतिक्रिया

- पीएम ने कहा, अनुमान लगाना मुश्किल है कि अस्थिरता की यह स्थिति कब तक रहेगी
- वक्त की जरूरत है कि हम सरल, पूरा करने योग्य और टिकाऊ समाधान ढूंढें जो समाज और अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव ला सके

समावेशी एवं संतुलित अंतरराष्ट्रीय एजेंडा तैयार करके साझी लेकिन अलग अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर आधारित है और सभी चुनौतियों पर लागू होती है। मोदी ने साथ ही सभी देशों की सम्प्रभुता का सम्मान, कानून का शासन और मतभेदों एवं विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा करने तथा अधिक प्रासंगिक बने रहने के लिये संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सुधार की वकालत की। मोदी ने कहा कि भारत इस साल जी20 की अध्यक्षता कर रहा है और स्वाभाविक है कि हमारा उद्देश्य ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद करना होगा। भारत 12-13 जनवरी को 2 दिवसीय वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

खबरें फटाफट

रामचरितमानस पर शिक्षा मंत्री के बयान से साधु-संत नाराज

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर द्वारा रामचरितमानस पर विवादित बयान को लेकर अयोध्या के साधु संतों ने गहरी नाराजगी जताई है। बिहार के शिक्षा मंत्री ने यह दावा करते हुए विवाद खड़ा कर दिया है कि हिंदुओ की धार्मिक पुस्तक रामचरित मानस निचली जातियों के खिलाफ नफरत फैलाती है, इसलिए उसे मनुस्मृति की तरह जलाया जाना चाहिए।

पटना में नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह के दौरान बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने दावा किया कि तुलसीदास की मनुस्मृति, रामचरितमानस और माधव सदाशिवराव गोलवलकर की बंच ऑफ थॉट्स जैसी किताबों ने देश में 85% आबादी को पिछड़े रखने की दिशा में काम किया है, हिंदू ग्रंथ रामचरितमानस को मनुस्मृति की तरह जलाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समाज में जाति विभाजन को बढ़ावा देता है।

इसी को लेकर अयोध्या के संतों में खासा आक्रोश है। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि अगर एक हफ्ते में वह (शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर) क्षमा नहीं मांगते हैं तो मैं 10 करोड़ का इनाम दूंगा जो उनकी जीवा काट कर लेकर आएगा, किसी दूसरे के धर्म के विषय में बोल कर देख लें, अगर दूसरे धर्म के लिए टिप्पणी किए होते तो उनका जीवा नहीं अब तक गर्दन कट गया होता, अगर वह क्षमा नहीं मांगते हैं तो उनकी जीवा मैं कटवा लूंगा।

किसानों पर लाठीचार्ज की घटना के बाद उनका हाल जानने पहुंचे थे बक्सर सांसद

चौसा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के काफिले पर चले पत्थर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के चौसा में आक्रोशित ग्रामीणों ने केन्द्रीय मंत्री सह स्थानीय सांसद अश्विनी कुमार चौबे के काफिले पर पथराव किया है। इस हमले में अश्विनी कुमार चौबे बाल-बाल बच गए है। इसके पहले बनारपुर में उनके सभा के दौरान भी ग्रामीणों ने उनके खिलाफ हुटिंग की थी। सभा में जब अश्विनी कुमार चौबे भाषण देने के लिए खड़े हुए तथा अपनी बातें रखने लगे इसी दौरान ग्रामीण उनका विरोध करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि तीन महीने तक उनका आंदोलन चला तब सांसद ने उनका हाल चाल पूछना भी मुनासिब नहीं समझा था। ग्रामीणों का कहना था कि उल्टा वे एलएनटी कंपनी की तरफदारी ही करते रहे थे।

ग्रामीणों के भारी विरोध के कारण उन्हें बीच में ही अपनी सभा स्थगित कर वापस लौटना पड़ा। लेकिन लौटने के दौरान ग्रामीणों ने उनके काफिले पर पथराव कर दिया। पथराव का एक वीडियों भी वायरल हुआ है। वही उनके थोड़ी देर बाद पहुंचे बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी के खिलाफ भी ग्रामीणों ने

गुरुवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के काफिले पर फेंके गए पत्थर। (लाल घेरे में)

हुटिंग की। लेकिन वे तुरंत स्थिति को संभाल लिए। सांसद की अपेक्षा विधायक के प्रति ग्रामीणों का रुख भी नरम था। बता दें कि मंगलवार की रात पुलिसिया जुर्म के बाद सांसद व विधायक ग्रामीणों को मरहम लगाने पहुंचे थे। लेकिन उल्टे उन्हें ग्रामीणों का कोपभाजन बनना पड़ा। बता दें कि ग्रामीणों का यह आक्रोश अनायास नहीं था। एलएनटी कंपनी द्वारा उनके जमीन का अधिग्रहण कर निर्माण कराया जा रहा था। जबकि ग्रामीणों को उचित मुआवजा भी नहीं मिला था। इससे नाराज ग्रामीण पिछले तीन महीने से धरना प्रदर्शन कर रहे थे। उनके धरना प्रदर्शन के दौरान स्थानीय प्रशासन भी कंपनी से मिलीभगत के कारण सहयोग नहीं कर रहा था। जबकि स्थानीय सांसद व विधायक भी चुप्पी साधे हुए थे। यही कारण है कि पुलिसिया जुर्म के बाद जब सांसद व विधायक पहुंचे तो ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों के तेवर को भांप सांसद ने समझादी दिखाते हुए बीच में ही अपने भाषण को बंद कर वहां से हटना मुनासिब समझा।

स्पेशल कवरेज पेज चार पर...

- ग्रामीणों के भारी विरोध के कारण अश्विनी चौबे को बीच में ही अपनी सभा स्थगित कर लौटना पड़ा वापस
- ग्रामीणों का आरोप, तीन महीने तक उनका आंदोलन चला तब सांसद ने उनका हाल जानना भी मुनासिब नहीं समझा

सरकार पोषित गुंडे जनता पर ढा रहे जुल्म : मंत्री

संबोधन के दौरान सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने इस घटना को प्रशासन की नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार पोषित गुंडे जनता पर जुल्म ढा रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता पर एफआईआर नहीं होना चाहिए था। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि किसी की गिरफ्तारी नहीं होगी।

सदर विधायक बोले... गिरफ्तार नहीं होंगे किसान: वही सदर विधायक मुन्ना तिवारी ने कहा कि किसान गिरफ्तार नहीं किए जाएंगे। उनके मुआवजा मामले के समाधान के लिए मंत्री से बात हुई है। जल्द ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा। पुलिस किसी के घर में नहीं घुसेगी।

जदयू के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव का निधन

पटना। जदयू के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव का निधन हो गया है। उनकी बेटी ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। 75 साल की उम्र में शरद यादव ने अंतिम सांस ली। बिहार की राजनीति में अपनी अलग पहचान रखने वाले शरद यादव का जाना सभी को दुखी कर गया है। उनकी समाजवाद वाली राजनीति ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बना दिया था। लेकिन अब उस महान नेता ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल में उनका निधन हुआ है। उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस में अस्पताल से रवाना हो गया है। आज दिनभर पार्थिव शरीर छतरपुर में स्थित 5 वेस्टर्न (डीएलएफ) आवास पर दर्शन के लिए रखा जाएगा। शरद यादव की बेटी सुभाषिनी ने ट्विटर पर अपने पिता की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसाव की समस्या पर केंद्रीय गृहमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

जोशीमठ के लोगों को बाजार दर पर मिलेगा मुआवजा

एजेंसी/पटना

उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने के मामले के कारण वहां के लोगों को सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने का काम जारी है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोशीमठ की स्थिति को देखते हुए पांच केंद्रीय मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक की। इसमें केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और ऊर्जा मंत्री आरके सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में जोशीमठ की स्थिति पर समीक्षा की गई।

बैठक में मौजूदा परिस्थिति में

लोगो को कैसे राहत पहुंचाई जाए, इसे लेकर बात हुई। शाह ने जोशीमठ के ताजा हालात के बारे में सीएम से जानकारी ली है और प्रदेश को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है। उधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोशीमठ के मामले में कहा, उत्तराखंड की सरकार जोशीमठ पर समाधान निकालने का प्रयास कर रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसको देख रहे हैं। केंद्र सरकार भी पूरा सहयोग कर रही है। मैंने रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट को वहां भेजा था, आगे जरूरत पड़ी तो वहां जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस वक्त जोशीमठ के दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को यहां एक अहम बैठक की। उन्होंने इस दौरान शासन-प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रभावित हैं, उनकी जान माल की सुरक्षा करते हुए उनके लिए आगे का रास्ता बनाना हमारी प्राथमिकता है।

जोशीमठ के लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने का काम जारी है। इसके अलावा संकटग्रस्त इमारतों को भी गिराया जाएगा. हालांकि, स्थानीय लोग उचित मुआवजा देने की मांग पर अड़े हैं। इस बीच मुख्यमंत्री ने बाजार रेट पर मुआवजा देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, स्थानीय स्तर पर गठित समिति के सदस्यों के सुझावों पर बाजार दर तय की जाएगी। प्रभावित हितधारकों के हितों का पूरा ध्यान रखते हुए बेहतर से बेहतर मुआवजा दिया जाएगा।

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया मुआवजे का ऐलान
- बोले... स्थानीय स्तर पर गठित समिति के सदस्यों के सुझावों पर तय की जाएगी बाजार दर

खबरें फटाफट

कीटनाशक विक्रेताओं को दिया गया प्रशिक्षण

जहानाबाद। जिला पौधा संरक्षण कार्यालय जहानाबाद के द्वारा फसल सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत जिले के अनुज्ञप्ति धारी कीटनाशक विक्रेताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कृषि पदाधिकारी संजय कुमार एवं उपनिदेशक पौधा संरक्षण मगध प्रमंडल रविन्द्र कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर के किया गया। रविंद्र कुमार के द्वारा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कीटनाशी विक्रेताओं को कीटनाशी अधिनियम- 1968, जिसे वर्ष 1971 में लागू किया गया है, जिसके विभिन्न पहलुओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया। साथ ही, उनके द्वारा अब तक कीटनाशी अधिनियम में किए गए संशोधनों से भी उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सहायक निदेशक पौधा संरक्षण राजीव कुमार रजक के द्वारा किया गया। प्रशिक्षक के रूप में भाग लेने वाले वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र गंधार डॉ वाजिद हसन के द्वारा रबी मौसम में उगाई जाने वाली तिलहन एवं दलहन फसलों में लगने वाले कीट-व्याधि एवं उसके प्रबंधन की जानकारी दी गई।

सड़क हादसे में किशोर की मौत

आरा। टाउन थाना क्षेत्र के मीरगंज मोहल्ले में गुरुवार की शाम दो बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। उसमें बाइक सवार एक किशोर की मौत हो गयी, जबकि दूसरी बाइक पर सवार युवक बाल-बाल बच गया। घटना को लेकर कफी देर तक अफरातफरी मची रही। मृतक नगर थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ला निवासी अरुण कुमार केशरी का 14 वर्षीय पुत्र पवन केशरी था। वह शाम में बाइक से निकला था। तभी मीरगंज मोहल्ले के समीप सामने से आ रही बाइक से जोरदार टक्कर हो गयी। उसमें दोनों बाइक सवार गिर पड़े। दूसरी बाइक पर सवार युवक तो वहां से चला गया। जबकि किशोर बेहोशी की हालत में वही पर पड़ा था। सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस पहुंची और इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाना ही उद्देश्यः डॉ. सिंह

केटी न्यूज/बक्सर

- सदर प्रखंड में विशेष दूरस्थ स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन
- मेडिकल कैंप में कुल 155 लोगों की हुई जांच, बांटी गई दवाइयां

शहरी क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग तत्पर है। जिसके मद्देनजर जिला मुख्यालय स्थित शांति नगर मोहल्ले में गुरुवार को राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विशेष दूरस्थ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 155 मरीजों की जांच की गई तथा उनके बीच दवा का वितरण किया गया।

शिविर में संचारी रोग, गैरसंचारी रोग, कालाजार, एएनसी, टीकाकरण तथा परिवार नियोजन के साथ-साथ कोविड-19 की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। शिविर के दौरान कोविड-19 की जांच के लिए सैंपल कलेक्शन भी किया गया। प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों के द्वारा ग्रामीणों का सैंपल कलेक्शन किया गया। रैपिड एंटीजन टेस्ट किट के माध्यम से कोविड-19 की जांच की गई तथा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आमजनों को जागरूक भी किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने किया। मौके पर आरबीएसके के चिकित्सक डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह, सदर बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह, पारा मेडिकल वर्कर नागेश दत्त पांडेय समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

शिविर में बुजुर्ग महिला की जांच करती चिकित्सा कर्मी

माइक्रो प्लान के तहत शिविर का किया जा रहा आयोजन : सदर बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि भाग दौड़ भरी जीवन में अनियमित और दूषित भोजन के कारण लोगों में बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में इनसे बचने के लिए सभी लोगों को हर छह महीने में अपने शरीर की सभी तरह की जांच करानी चाहिए। लेकिन, स्लम इलाकों व गरीब लोग जांच कराने में कतराते हैं। इसी उद्देश्य से समय-समय पर जांच शिविर लगाया जाता है। इसके लिए शहरी क्षेत्र में माइक्रो प्लान के तहत विशेष दूरस्थ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। तिथिवार माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। शहरी इलाके में चार स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने हैं। जिसके लिए स्थानों का चयन किया जा चुका है। आगामी दिनों में किला मैदान के समीप स्लम बस्ती, खलासी मोहल्ला और मठिया मोहल्ला में जांच शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिविर लगाने के एक दिन पूर्व आशा कार्यकताओं द्वारा प्रचार प्रसार किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं का दिया गया लाभ

एमओआईसी डॉ. मिथिलेश सिंह ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेर्शों के आलोक में स्लम बस्ती, झुग्गी झोपड़ी के इलाकों को चयनित करते हुए वहां शिविर लगाया जाना है। जिसके माध्यम से गरीब व जरूरतमंद लोगों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जा सका। साथ ही, उन्हें निःशुल्क और सुविधाजनक इलाज के बारे में बताया जा सके। इन शिविर में विशेष कर गैर संचारी रोग की जांच की जाती है। इस क्रम में शांति नगर में शुगर, हीमोग्लोबिन, बीपी आदि जांच भी की जाएगी। साथ ही, मरीजों को निःशुल्क रूप से दवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। डायबिटीज, हाइपरटेंशन, मानसिक स्वास्थ्य की जांच के साथ जरूरी सलाह दी गई। कालाजार एवं वेक्टर जनित रोग जैसे चिकनगुनिया डेंगू से संबंधित गर्भवती महिला की एएनसी जांच, टीकाकरण, परिवार नियोजन से भी संबंधित जानकारी दी गई।

ठेकेदार की भाभी बोली- जमीन को लेकर कई लोगों से थी दुश्मनी

चलती ट्रेन से गिरकर ठेकेदार की मौत परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

- सुबह मोबाइल पर किसी का फोन आने के बाद घर से निकला था ठेकेदार
- शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की जांच में जुटी रेल पुलिस

केटी न्यूज/आरा

अस्पताल में जुटे मृतक के परिजन

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा और कुल्हड़िया स्टेशन के बीच गुरुवार की सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक युवा ठेकेदार की मौत हो गयी। मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बकरी गांव निवासी विनोद कुमार चौधरी का 29 वर्षीय पुत्र मुकुल कुमार था। वर्तमान में वह नवादा थाना क्षेत्र के पूर्वी गुमटी के पास अपने मकान में रहता था। ठेकेदार के परिजन हत्या की भी आशंका जता रहे हैं, लेकिन किसी पर आरोप नहीं लगाया जा रहा है। वहीं घटना को लेकर देर तक अफरा-तफरी मची रही। बाद में स्थानीय लोगों की सूचना पर रेल पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जा रहा है कि सुबह ठेकेदार के? मोबाइल पर किसी की कॉल आयी थी। उसके बाद वह घर से निकला था। काफी देर बाद तक घर नहीं आने के बाद उस नंबर पर कॉल की गयी, तब हादसे की खबर मिली। रेल पुलिस पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की छानबीन में जुटी है। वैसे रेल पुलिस के पंचनामा के अनुसार ठेकेदार की चलती ट्रेन से गिरने और गंभीर चोट लगने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला क्लीयर हो सकेगा।

फोन करने पर कही एक घंटे में आने के बात, आयी मौत की खबरः ठेकेदार की भाभी सिम्पी देवी ने बताया कि सुबह उनके देवर मुकुल के मोबाइल पर बाबा नाम के एक व्यक्ति का फोन आया था। उसके बाद वह घर से निकल गए थे। इसके बाद उनसे फोन पर बात हुई थी। तब उन्होंने कहा कि वह सपना सिनेमा मोड़ के पास हैं। एक घंटे में घर पर आ रहा हैं। उसके बाद उनसे बात नहीं हुई। बाद में बाबा के नंबर पर फोन किया गया, तो उसने बताया कि वह ट्रेन से गिर गए हैं। उससे उनकी मौत हो गई है। गांव पर फोन कर इसकी सूचना दे दी है। उसके बाद वे लोग सदर अस्पताल पहुंचे और शव की पहचान कर दाह-संस्कार करने के लिए गांव ले गए। उन्होंने बताया कि गांव में भी खेत-जमीन लिखवाने को लेकर का कई लोगों से दुश्मनी थी। उनके साथ पहले भी मारपीट हो चुकी है। ऐसे में उन्होंने हत्या की आशंका भी जतायी है। हालांकि उन्होंने किसी भी व्यक्ति पर किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया है।

तीन भाई-बहन में छोटा था मुकुल, घर में मचा कोहराम : इधर, हादसे के बाद ठेकेदार के घर में रोना-धोना मचा है। बताया जाता है कि ठेकेदार अपने दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। उसके परिवार में मां कमला देवी, एक भाई हरेंद्र कुमार और बहन अनीता शर्मा है। उसकी मौत के बाद मां कमला देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेनुआ गांव में गुरुवार की सुबह अज्ञात वाहन ने शौच करने निकले एक अधेड़ को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतक तेनुआ गांव निवासी स्व. शिव मुनी राम के 50 वर्षीय पुत्र शत्रुघन राम बताया जा रहा है। उनके पुत्र धनजी राम ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह शौच करने के लिए घर से निकले थे। उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। उससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। ग्रामीणों की सूचना पर वह घटनास्थल पर पहुंचा और। पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। दूसरी ओर घटना की सूचना मिलने पर जिप सदस्य भीम यादव आरा सदर अस्पताल पहुंचे। वह मृतक के परिजनों से मिले और ढांढस बंधवाया। बताया जाता है कि अधेड़ अपने पांच भाई और दो बहनों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी बबीता देवी, पुत्री अंजली कुमारी, मुन्नी कुमारी, पुत्र धनजी पासवान और शिवम कुमार है। घटना के बाद उनके घर में हाहाकार मच गया है। पत्नी बबीता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

पत्रकारिता को विश्वसनीय बनाने में डाटा महत्वपूर्ण, पत्रकारों को दिया गया प्रशिक्षण

रांची। डाटा के महत्व को समझाते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र को और अधिक विश्वसनीय बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस दिशा में गूगल न्यूज इनीशिएटिव और डाटा लीड्स के संयुक्त तत्वाधान में डाटा डॉयलॉग नामक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में किया। झारखंड के कई शहरों से पत्रकारों ने डाटा पर अपनी समझ बढ़ाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के इंट्रोडक्टरी रिमार्क्स में प्रभात खबर के रेसिडेंट एडिटर तथा प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने किया। उन्होंने पत्रकारों से अपील किया कि वे इस प्रशिक्षण में मिली जानकारी का इस्तेमाल अपने रिपोर्टिंग में करें। डाटा आधारित अच्छी स्टोरी करने के प्रति पत्रकारों का उत्साहवर्धन किया। कहा कि डाटा को समझने और समझने के लिए जिला स्तर पर भी कार्यशाला का आयोजन किया जाये जिससे प्रखंड तथा जिला स्तरीय पत्रकारिता में भी विस्तार आ सके। इस दौरान प्रभात खबर, दैनिक भास्कर तथा स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर रहे रिपोर्टर एवं जर्नलिज्म के छात्र-छात्राएं मौजूद रहें। इसके अलावा झारखंड के उषा मार्टिन, करीम सिटी कॉलेज, रांची कॉलेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के मास कॉम्यूनिकेशन विभाग के प्रमूख भी मौजूद रहे। द लॉजिकल इंडियन के फाउंडर तथा ट्रेनर भरत कुमार नायक ने डाटा डायलॉग के दौरान इसकी जरूरत और इसके उद्देश्य पर बात करते हुए डाटा पर चर्चा की गयी। बताया गया कि हर प्रकार की जानकारी अपने-आप में डाटा संग्रहित किये हुई होती है। डाटा से संबंधित विभिन्न जानकारियों के साथ डाटा के स्त्रोतों को खंगालने, डाटा की विश्वसनीयता तथा डाटा संग्रहण की विधियों के साथ ग्रूप एक्सरसाइज भी कराया गया। इसके साथ ही अन्य ट्रेनरों ने डाटा वेरिफिकेशन और डाटा विजुअलाइजेशन के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही अन्य ट्रेनरों ने डाटा वेरिफिकेशन और डाटा विजुअलाइजेशन के बारे में जानकारी दी। पत्रकारों ने अपना फीडबैक देते हुए ऐसे प्रशिक्षण की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रशिक्षण नियमित अंतराल में दिये जाने की जरूरत है।

सड़क सुरक्षा के तहत नेत्र जांच शिविर आयोजित

जहानाबाद। जिले में सड़क सुरक्षा महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अभियान के दूसरे दिन परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र जांच कराई गयी। शहर के बस स्टैंड में आयोजित नेत्र जांच शिविर में सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सका विशेषज्ञों की टीम द्वारा सभी प्रकार के वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया। वही आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में वाहन चालकों ने आगे आकर हिस्सा लिया और अपने अपने नेत्रों का परीक्षण कराया। नेत्र विशेषज्ञों द्वारा अपने परीक्षण में दर्जनों वाहन चालकों को चिन्हित कर उन्हें जरूरी दवाओं के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इस मौके पर परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यह कार्यक्रम आयोजित की गई है। जिसमे बस और ऑटो चालक की आंखों की जांच कर उन्हें उचित सहल दी गयी। साथ ही उन्हें यातायात नियमों एवं सडक सुरक्षा के संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है। बताते चले कि सडक दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने एवं आमजन को सडक सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरुक करने के लिए 11 जनवरी से 17 जनवरी तक प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को यातायात नियमों एवं सडक सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। वहीं, इस मौके पर चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार, प्रवर्तन अवर निरीक्षक हरिशंकर प्रसाद, प्रधान लिपिक कृष्णा प्रसाद सहित बड़ी संख्या में वाहन चालक मौजूद थे।

जरुरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

जहानाबाद। आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप सभा, बिहार के तत्वावधान में डीएवी पब्लिक स्कूल, जहानाबाद के सौजन्य से भीषण ठण्ड को देखते हुए गुरुवार को विद्यालय परिसर में कम्बल वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएवी सीएमसी के ट्रस्टी एवं एलएमसी चेयरमैन श्री रमेश कुमार लीखा के मार्गदर्शन, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप सभा बिहार के कार्यकारी प्रधान एवं विद्यालय प्रबंधक एसके झा तथा डीएवी पब्लिक स्कूल्स बिहार प्रक्षेत्र- एच के सहायक क्षेत्रीय निदेशक श्री रामाशीष राय के दिशानिर्देश में प्राचार्य केके पांडेय द्वारा जिले के दर्जन भर से अधिक गांवों के डेढ़ सौ से अधिक असहाय, वृद्ध एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल और भोजन- पैकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा और परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है। डीएवी पब्लिक स्कूल जहानाबाद द्वारा समय समय पर जरूरतमंदों की मदद के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य द्वारा आये अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं पारम्परिक तरीके से किया गया। इस अवसर पर जहानाबाद और आसपास के जिलों में सेवा कार्य मे अग्रणी भूमिका निभा रहे समाजसेवी गणेश दास को स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती सम्मान प्रदान किया गया। शैल देवी तथा देवदास को भी सम्मानित किया गया।

थाना क्षेत्र में शराब के ठिकानों, धंधेबाजों व अपराधियों पर हर पल रखें नजरः एसपी

केटी न्यूज/आरा

अपराध नियंत्रण की कवायद में जुटे भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार की ओर से थानेदार से लेकर चौकीदार तक की जिम्मेदारी तय की गयी है। इसके तहत गांव में शराब के ठिकानों, धंधेबाजों और अपराधियों पर हर पल नजर रखने का निर्देश दिया गया है। गिरफ्तारी का भी टास्क दिया गया है। गुरुवार को जगदीशपुर और पीरो अनुमंडल के आधा दर्जन थानों का निरीक्षण करने के दौरान एसपी की ओर से यह निर्देश दिया गया।

एसपी ने आयर, अगिआंव बाजार, पीरो और हसन बाजार सहित अन्य थानों का निरीक्षण किया। वहीं कुछ थानों निमार्णाधीन भवनों का भी जायजा लिया। निर्माण कार्य समय पर पूरा करने और गुणवत्ता पर खास ध्यान रखने का निर्देश दिया। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के क्रम में इन थानों का निरीक्षण किया गया। थानों के सभी कर्मियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गयी। बड़े अपराधियों की सूची की जानकारी ली गयी। अभियुक्तों और शराब के धंधेबाजों का पता लगाते रहने का निर्देश दिया गया। खासकर चौकीदारों को गांवों में शराब बनाने वालों और केस में फरार अभियुक्तों पर नजर रखने और सूचना देने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा समय पर कांडों का डिस्पोजल और गिरफ्तारी का आदेश दिया गया है। थाना स्टेशन डायरी से लेकर केस फाइल तक को अपडेट रखने को बोला गया।

पुराने विवाद में मारपीट के बाद गला दबाकर अधेड़ की हत्या

केटी न्यूज/आरा

जिले के गजराजगंज ओपी इलाके में बुधवार की रात एक अधेड़ की हत्या कर दी गयी है। मारपीट करने के बाद गला दबाकर उनकी हत्या करने की बात कही जा रही है। मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी स्व. घुरुल तुरहा के 52 वर्षीय पुत्र समझु तुरहा थे। उनका शव गुरुवार की दोपहर गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम के पास आरा-बकसर फोरलेन के किनारे से बरामद किया गया। पूर्व के विवाद में गांव के ही तीन लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। मृत अधेड़ के भतीजे डाक्टर तुरहा ने बताया कि गांव के ही तीन लोगों द्वारा उसके चाचा पर शराब बेचने का दबाव दिया जा रहा था। उसे लेकर उनकी पिटाई भी की गयी थी। बुधवार को भी मारपीट की गयी थी।

उसके बाद शाम करीब 6 बजे वह घर के खाना के बधार में सोने चले गए। सुबह वह वापस नहीं लौटे, तो उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल पाया। इस बीच गुरुवार की दोपहर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा सूचना दी गयी कि उसके चाचा का शव छोटकी सासाराम गांव स्थित कल्याणपुर बांध के पास पड़ा है। तब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, तो देखा कि वह मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। इधर, पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। वैसे हर एंगल से छानबीन की जा रही है। परिजनों के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शराब बेचने से मना करने पर की गयी हत्या : डॉक्टर तुरहा ने बताया कि गांव के तीन लोग शराब बेचने का धंधा करते हैं। उन लोगों द्वारा कुछ दिनों से उसके चाचा पर शराब बेचने का दबाव दिया जा रहा था। हालांकि उसके चाचा द्वारा मना कर दिया गया था। उसे लेकर उन लोगों द्वारा तीन दिन उसके चाचा के साथ मारपीट की गयी थी। उस दिन लड़ाई खत्म हो गयी थी। बुधवार की दोपहर में भी उसी विवाद को लेकर तीनों लोगों द्वारा उनकी पिटाई की गयी थी।

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर जिले के सभी प्रखंडों में 14 दिनों तक चलेगा अभियान, तैयारी शुरू

10 फरवरी से एमडीए अभियान, स्वास्थ्य कर्मचारी करायेंगे दवा का सेवन

- स्वास्थकर्मी के समक्ष ही करना होगा डीईसी व अल्बेंडाजोल दवा का सेवन
- अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने दूसरे विभागों के साथ किया समन्वय

केटी न्यूज/गया

जिला में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 फरवरी को एमडीए अभियान क की शुरूआत होगी। दवा सेवन का यह अभियान 14 दिनों तक चलाया जायेगा। इस अभियान को लेकर आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गयी है। सिविल सर्जन डॉ रंजन कुमार सिंह ने जिला के उपविकास आयुक्त को आवश्यक जानकारी दी है। साथ ही समाज कल्याण, शिक्षा, पंचायती राज, आपूर्ति, शिक्षा, आइसीडीएस और जीविका के जिला स्तरीय अधिकारियों को भी सहयोग प्रदान करने संबंधी सूचना प्रेषित किया है। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर डीईसी तथा अल्बेंडाजोल दवा का सेवन अपने समक्ष करायेंगे। मुखिया तथा वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि से अपील किया गया है कि अपने गांव में वे एमडीए अभियान का उद्घाटन फाइलेरिया की दवा खाकर स्वयं करेंगे। लोगों को माइकिंग के माध्यम से इस अभियान की जानकारी देंगे।

जीविका दीदी करेंगी सोशल मोबिलाजेशन का कामः जीविका के अधिकारी ब्लॉक स्तर पर सोशल मोबिलाइजेशन के कार्य करेंगे। इसके अलावा फाइलेरिया बचाव के लिए वीडियो के माध्यम से लोगों में दवा सेवन के प्रति जनजागरूकता लायेंगे। स्वयं सहायता समूह के सदस्य इस अभियान में अपने आसपड़ोस के लोगों को फाइलेरिया की दवा सेवन कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला वेक्टर रोग जनित नियंत्रण पदाधिकारी डॉ एमई हक ने बताया कि जिला स्तर पर आशा तथा अन्य संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों का दवा सेवन को लेकर प्रशिक्षण कराया जा रहा है। प्रशिक्षण में दवा सेवन कैसे कराया जाना है, किन लोगों को कराना है और किन्हें नहीं दी जानी इसके बारे में बताया जा रहा है।

अभियान में शिक्षकों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

अभियान से पूर्व शिक्षक डीईसी व अल्बेंडाजोल की दवा के सेवन के लिए समुदाय को प्रोत्साहित करेंगे। ताकि दवा सेवन को कोई वंचित नहीं हो। शिक्षक एवं छात्र मिलकर समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए रैली का आयोजन करेंगे। आईसीडीएस के अधिकारी व्हाट्सएप्प ग्रुप में फाइलेरिया से बचाव के लिए वीडियो को शेयर करें, ताकि इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचे। सीडीपीओ और महिला सुपरवाइजर मासिक बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकताओं को इस अभियान में सहयोग के लिए निर्देशित करेंगे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समुदाय को दवा सेवन के लिए प्रोत्साहित करेंगे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता दिवस पर फाइलेरिया जैसी घातक बीमारी पर चर्चा कर समुदाय को जागरूक करेंगे।

खबरें फटाफट

बीडीओ ने लिया योजनाओं का जायजा

केसठ। प्रखंड में चल रहे विकास योजनाओं का निरीक्षण इस समय स्थानीय अधिकारियों द्वारा काफी तत्परता के साथ किया जा रहा है। ताकि कार्य सुचारू रूप से चल रहा है या नही। सुस्त गति से चल रहे कार्यों को जल्द से जल्द पुर्णिका करने का निर्देश भी दिया जा रहा है। गुरुवार को बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा द्वारा केसठ व कतिकनार में बन रहे वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाया गया की ठंड के चलते एक-दो दिन से काम रुका हुआ है। परन्तु संबंधित लोगों से अपने सेहद को ख्याल में रखते हुए इस कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने एवं कराने का निर्देश दिया गया। साथ हि बीडीओ ने बताया कि इस क्रम में प्रखंड के किरनी गांव में रविकेश कुमार के घर के पास गली में नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि रविकेश कुमार के घर के पास गली में नालि का अभाव था। इस संबंध में उनके द्वारा प्रधानमंत्री के कार्यालय में एक पिटीशन दिया गया था। जिसके आलोक में यह कार्य हुआ। जिसका निरीक्षण किया गया। यह कार्य होने से वे संतुष्ट दिखे।

मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती

केसठ। प्रखंड के केसठ नया बाजार में स्वामी विवेकानंद की 160वीं जयंती मनाई गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा और प्रभात रंजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन वीरेंद्र सहवाग ने किया वही संचालन रत्न राउत ने किया। बता दें कि स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वही बीडीओ ने कहा की स्वामी विवेकानंद यकीनन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरक व्यक्ति है, इसलिए 12 जनवरी को उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मानते है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। युवा वर्ग वास्तव में किसी भी देश की आबादी का सबसे गतिशील और जीवंत हिस्सा होता हैं। ऐसे में यह जरूरी है की युवाओं के व्यक्तित्व का विकास किया जाए और उन्हें विभिन्न राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल किया जाए।

सड़क पर ट्रैफिक नियमों का अनुपालन करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्यः डीटीओ

केटी न्यूज/बक्सर

- सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत बस स्टैंड में नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन
- शिविर में 40 से अधिक चालकों ने आंख, बीपी, शुगर और कोरोना की कराई जांच

जिले में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में जिलाधिकारी अमन समीर के निर्देश पर जिला सड़क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में बुधवार को बस स्टैंड में नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी परिवहन पदाधिकारी प्रदीप जायसवाल ने किया। उन्होंने बस स्टैंड में उपस्थित चालकों और सह चालकों से जांच शिविर का लाभ उठाने की अपील की। बताया कि जनसंख्या घनत्व और सड़कों पर भारी ट्रैफिक दबाव के कारण हादसों में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। जिसके चलते बीमारियों से कहीं ज्यादा मौतें सड़क हादसों में हो रहे हैं। जिसके लिए ट्रैफिक नियमों का अनुपालन प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य होता है। इसके प्रति सबको जागरूक करना सड़क हादसों से बचाव का मुख्य उद्देश्य है। जिसके बाद बस, जीप और ई-रिक्शा चालाकों ने शिविर में जांच कराना शुरू किया। शिविर की समाप्ति तक कुल 40 वाहन चालकों ने जांच कराई। मौके पर एमवीआई, एमओआईसी डॉ. मिथिलेश कुमार, नेत्र जांच चिकित्सक संतोष कुमार, बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह, लैब टेक्निशियन प्रीति कुमारी, सीएचओ श्वेता सिंह समेत जिला परिवहन विभाग के कर्मी मौजूद रहें।

दुर्घटनाओं में मौत के आंकड़े काफी भयावह : प्रभारी परिवहन पदाधिकारी प्रदीप जायसवाल ने सड़क हादसों में हो रही मौतों में इजाफा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि बढ़ते हुए जल्दबाजी और शॉर्टकट के चक्कर में आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें हो रही हैं। जिनके आंकड़े काफी भयावह है। बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग नहीं करना, मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना, सड़क पर लगे संकेतक के हिसाब से वाहन का परिचालन नहीं करना तथा मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाना आदि हादसे का मुख्य वजह बन जाता है। साथ ही, मौसम के हिसाब से भी वाहन चालकों को सजग रहना होगा। इस बाबत पूछे जाने पर जागरूकता अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि लोगों को जागरूक करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए जन सहभागिता की भी आवश्यकता है। आज स्थिति यह है कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी इंसान के जीवन पर भारी पड़ रही है। ट्रैफिक नियमों के अनुपालन से ही सुरक्षित रहा जा सकता है। इसके लिए आम लोगों को भी जागरूक होना होगा।

वसूला जा रहा जुमार्ना : सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जहां एक ओर लोगों को जागरूकता का संदेश दिया जाा रहा है। वहीं, नियमों का पालन नहीं करने वालों से जुमार्ना भी वसूला जा रहा है। इस क्रम में जिला मुख्यालय स्थित स्टेशन-ज्योति प्रकाश रोड पर शिविर लगाकर जुमार्ना वसूला जा रहा है। साथ ही, मौके पर वाहनों का प्रदूषण कार्ड भी बनाया जा रहा है। ताकि, लोगों को अपने वाहनों की प्रदूषण जांच के लिए भटकना न पड़े।

राजद नेताओं ने प्रशासन पर लगाया यूरिया की कालाबाजारी का आरोप

चेतावनी: किसानों को तय मूल्य पर नहीं मिला खाद तो अनिश्चितकालीन धरना देगा राजद

- सुबह 8 बजे ही यूरिया खत्म होने की सूचना स्टॉक बोर्ड पर अंकित होने के बाद गरमाया मामला

केटी न्यूज/डुमरांव

अधिकारी के साथ बैठक करते राजद नेता व कार्यकर्ता

सत्तारूढ़ राजद नेताओं ने यूरिया की कालाबाजारी का गंभीर आरोप कृषि विभाग के पदाधिकारियों पर लगाया है। राजद नेताओं ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए साफ शब्दों में कहा है कि अगर किसानों को खाद की उपलब्धता निर्धारित मूल्य पर नहीं हुई तो प्रखंड कृषि भवन पर अनिश्चितकालीन धरना देने का एलान किया है। राजद नेताओं को यह नौबत तक आई जब काफी इंतजार के बाद बुधवार को प्रखंड के सभी खुदरा खाद विक्रेताओं के यहां यूरिया का आवंटन प्राप्त हुआ। लेकिन बुधवार को सुबह 8 बजे ही यूरिया खत्म होने का सूचना स्टॉक बोर्ड पर अंकित हो गया। जिस दुकानदार ने यूरिया का वितरण किया था सभी ने निर्धारित मूल्य से अधिक चार सौ रुपए प्रति बैग यूरिया बिक्री किया था। इस आशय की जानकारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी गोपाल प्रसाद को देने के बावजूद कोई करवाई करने के बजाए चुप्पी साथ लेने पर राजद नेता भड़क उठे। वरिष्ठ राजद नेता अखिलेश यादव के साथ प्रखंड राजद अध्यक्ष मनोज ठाकुर तथा नगर राजद अध्यक्ष मुन्ना खान के साथ एक दर्जन पार्टी कार्यकर्ता प्रखंड स्थित कृषि भवन पहुंचे थे।

राजद नेताओं का कहना था कि यूरिया की कालाबाजारी बेखौफ हो रही है। पार्टी नेताओं ने मामले की तत्काल जांच कराने तथा दोषी पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यूरिया खरीदने वालों किसानों के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अगर मूल्य की जांच की गई तो कालाबाजारी करने वाले सारे दुकानदार पकड़े जाएंगे। बताया कि दुकानों पर चार सौ रूपया प्रति बैग के मूल्य से खाद दिया गया है। वरिष्ठ राजद नेता अखिलेश यादव ने मामले की जानकारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी गोपाल प्रसाद को दिया। लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तथा निर्धारित से अधिक मूल्य पर यूरिया बिक्री होने की पुष्टि हो जाने के बाद भी करवाई के बजाय चुप्पी साधे जाने पर हंगामा शुरू हो गया। राजद नेताओं ने पहले तो प्रखंड कार्यालय स्थित कृषि भवन पर अनिश्चितकालीन धरना की घोषणा कर दी। लेकिन बाद में प्रखंड कृषि पदाधिकारी के साथ हुई वार्ता के बाद कड़ी नाराजगी जताते हुए राजद नेताओं ने कहा अगर 24 घंटे में किसानों को यूरिया उपलब्ध नहीं कराया गया तो, पार्टी कृषि कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगी। सत्तारूढ़ दल के नेताओं की इस धमकी पर चिंता की लकीर प्रखंड कृषि पदाधिकारी के चेहरे पर साफ दिखने लगा। नेताओं की नाराजगी इस बात को लेकर थी कि प्रखंड कृषि पदाधिकारी यह भी नहीं बता पाए कि किस दुकान पर कितना यूरिया का आवंटन है। किस दुकान पर वितरण कितना किया गया है। राजद नेताओं ने 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि स्थिति अगर नियंत्रित नहीं हुई तो प्रखंड कृषि कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो जाएगा।

डुमरांव प्रखंड में है खाद के 40 लाइसेंसी दुकान

डुमरांव प्रखंड में यूरिया खाद के 40 लाइसेंसी दुकान है। सभी दुकानों पर एक साथ यूरिया खत्म हो जाने का बोर्ड लग जाने पर राजद ने आश्चर्य व्यक्त किया है। राजद नेताओं का कहना है कि एक साजिश के तहत पूरे प्रखंड में यूरिया खाद का खत्म हो जाना कई सवालों को जन्म देता है। पिछले 20 दिनों से प्रखंड में यूरिया का हाहाकार मचा है। किसी पदाधिकारी ने न तो खास दुकानों की पड़ताल की और न ही किसी दुकानदार के खिलाफ एफ आई आर दर्ज किया गया। राजद नेताओं ने कहा है कि दिन प्रतिदिन स्थिति बेलगाम होती जा रही है। सभी जिम्मेदार पदाधिकारी इस गंभीर मसले को जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि यूरिया खाद की कालाबाजारी मामले में जिम्मेदार पदाधिकारी बेदाग नहीं है।

कृषि है बिहार के विकास का सशक्त माध्यम

राजद नेता अखिलेश यादव का कहना है कि कृषि और किसान बिहार के विकास का एकमात्र सशक्त माध्यम है। किसानों की बदहाली के कीमत पर कभी बिहार विकास नहीं कर सकता है। उन्होंने हर किसी से अपील किया है कि खाद के मुद्दे पर दुकानदार कालाबाजारी का राज छोड़ तथा नेता व पब्लिक राजनीति झूठ फरेब ना करें। उन्होंने कहा है कि अगर हालात नहीं सुधरेंगे तो इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ा जाएगा।

खेती छोड़ने को मजबूर होंगे किसान

राजद के प्रखंड अध्यक्ष मनोज ठाकुर का कहना है कि यूरिया को लेकर फिलहाल जो स्थिति उत्पन्न हुई है उसमें तय है कि किसान खेती छोड़ने को मजबूर होंगे। यूरिया के लिए किसान को अपने घर की बहू बेटियों को खाद के लिए लाइन में खड़ा करना पड़ रहा है। एन वक्त पर यूरिया नहीं मिलने से खेती की उत्पादकता घट रही है। फायदा के बजाय खेती घाटे का सौदा साबित हो रहा है।

एक नजर

अंतरजिला फुटबॉल टूनार्मेंट: एकतरफा मैच में दावथ ने डुमरांव की टीम को 4-0 से हराया

केसठ। उच्च विद्यालय केसठ के खेल मैदान में गुरुवार को अंतरजिला स्तरीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। टूनार्मेंट का सेमीफाइनल मैच डुमरांव बनाम दावथ के बीच खेला गया। मैच के शुरूआती दौर से ही दावथ की टीम ने डुमरांव टीम पर दबाव बनाते हुए हाफ टाईम तक एक गोल से आगे रही। वही हाफ टाईम के बाद शुरू हुए खेल बाद पुनः दावथ की टीम ने तीन गोल डाल इस सेमीफाइनल मैच को चार गोल से जीत लिया। मैच में रेफरी का कार्य मनोज पासवान एंव बिनोद गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। वही लाइन्स मैन का कार्य ददन प्रसाद, जनार्दन प्रजापति, राजीव प्रसाद एंव बिरा ने किया। मैच का आयोजन सह उदघाटन पंचायत समिति सदस्य असलम हुसैन ने किया। संचालन शिक्षक बिनोद गुप्ता ने किया। मैच का शुरूआत बीडीसी असलम हुसैन और मैच के व्यवस्थापक गुड्डू सिंह ने खिलाड़ियों से हाथ मिला परिचय प्राप्त कर किया। फुटबॉल मैच देखने के लिए खेल मैदान में क्षेत्र के दर्जनों गांव के खेल प्रेमियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया।वही फुटबॉल मैच को सफल बनाने में सरोज यादव पप्पू पासवान सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं, 13 जनवरी को अटांव बनाम अतमी के बीच खेला जाएगा।

हरपुर पंचायत में जनता दरबार का आयोजन बीडीओ ने सुनी ग्रामीणों की फरियाद

राजपुर। प्रखंड के हरपुर पंचायत के मध्य विद्यालय परिसर में इंदुबाला सिंह एवं मुखिया प्रतिनिधि पिंटू राय की मौजूदगी में सरकार के निर्देश पर जनता दरबार लगाया गया। अपनी समस्या लेकर पहुंचे पीपराढ़ गांव के ग्रामीणों ने लिखित आवेदन देकर गुहार लगाया कि महादलित बस्ती में जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं है। इससे बस्ती के लोगों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीण सिकंदर राम, चंचली देवी सहित अन्य लोगों ने अपनी समस्या से अवगत कराया. साथ ही पिपराढ़ कनेहरी नहर तक सड़क निर्माण की मांग की गयी। ग्रामीण किसनों ने बताया कि खेती बारी करने में किसानों को काफी परेशानी होती है। किसी भी कृषि यंत्र को ले जाना खेत तक मुश्किल होता है। बरसात के दिनों में काफी मुश्किल होता है। खाद की कालाबाजारी पर अपनी पीड़ा सुनाते हुए गांव के किसान सोनू राय, जंगबहादुर राय, संतोष गुप्ता, अरुण राय, सिपाही राय, सर्वजीत राय, चितरंजन राय ने कहा कि खाद की कालाबाजारी की जा रही है। क्षेत्र के राजपुर ,तियरा एवं भलुहा बाजार में यूरिया की कीमत 450 से 500 तक है। किसान ठगी का शिकार हो रहे हैं। फिर भी पदाधिकारियों के द्वारा किसी भी दुकानों की जांच पड़ताल नहीं की जा रही है. किसानों की समस्याओं से रूबरू होते हुए अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि इसकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा ग्रामीण आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य मामलों से कुल लगभग 35 आवेदन प्राप्त किए गए। इस मौके पर खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी धर्मवीर भारती, सरपंच फुटूचन्द सिंह, शिक्षक नरेंद्र राय, पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

बिजली कंपनी के विशेष जांच अभियान में चोरी करते 14 धराये, वसूला जुर्माना

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र में बिजली कंपनी के अधिकारियों ने अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्रों में टोंका फंसाकर बिजली चोरी करते 14 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ जुमार्ना लगाते हुए कोरानसराय थाने में मामला दर्ज कराया है। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौंगाई के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार के नेतृत्व में सुपरवाइजर दिनेश कुमार, सतेंद्र प्रसाद, ओमप्रकाश शर्मा, रोहित राज सहित अन्य मानव बल को लेकर एक टीम गठित की गयी थी, जो कोरानसराय थाना क्षेत्र के कई गांवों में बिजली चोरी के खिलाफ डोर-टू-डोर अभियान चलाया। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बिजली चोरी करते पकड़े गये आरोपियों में पिपरी गांव के रामाशंकर यादव पर 13775 रुपये, सुरेश यादव पर 13775 रुपये, टुनटुन यादव पर 10779 रुपये, मुसाफिर यादव पर 7852 रुपये, राजेंद्र यादव पर 6020 रुपये, लीलावती देवी पर 4682 रुपये के अलावे परमानपुर गांव निवासी गुड्डू पासवान पर 9610 रुपये, गामा पासवान पर 13775 रुपये, शिवजी पासवान पर 10899 रुपये, लालजी सिंह पर 4040 रुपये, प्रभावती देवी पर 8728 रुपये, भीष्म नारायण सिंह पर 5748 रुपये, धनंजय पांडेय पर 5451 रुपये और ललन राम पर 4276 रुपये का जुमार्ना लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है. बिजली विभाग के अधिकारियों की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से बिजली जलाने वालों के बीच हड़कंप मच गया है. थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 के तहत धारा 135 के साथ अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गेंदबाजों की बदौलत मुजफ्फरपुर की टीम ने 5 रनों से दी रेलवे सोनपुर को शिकस्त

बक्सर। जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के 17वीं फैज मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच रेलवे सोनपुर और मुजफ्फरपुर की टीम के बीच गुरुवार को शहर के ऐतिहासिक किला मैदान पर खेला गया। क्रिकेट के इस रोमांचक मुकाबले में मुजफ्फरपुर की टीम ने रेलवे सोनपुर की टीम को 5 रनों से पराजित कर क्रिकेट प्रेमियों को अचंभित कर दिया। जिसमें सबसे बड़ा योगदान मुजफ्फरपुर के बालरो का रहा।

पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय मुजफ्फरपुर के टीम के कप्तान के लिए काफी मुफीद साबित हुआ। सफल रणनीति का आलम यह रहा कि निर्धारित 21 ओवरों के इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुजफ्फरपुर की टीम ने 6 विकेट गंवाने के बाद प्रतिद्वंदी सोनपुर की टीम के समक्ष 170 रन की चुनौती पेश कर दिया। जिस में सर्वाधिक समीर की 68 रन, कुणाल की 42 तथा सोनू की 24 रनों की पारी का शानदार योगदान रहा। प्रत्युत्तर में उतरी सोनपुर की टीम ने निर्धारित ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 165 रन पर ही सिमट गई। आज के इस मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया गया। अतिथियों में डॉ. तनवीर फरीदी, लता श्रीवास्तव, संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

नियाजीपुर बाजार में सुरक्षा बढ़ाने पर सहमति

केटी न्यूज/डुमरांव

बैठक में शामिल प्रखंड के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी व पुलिस पदाधिकारी

गुरुवार को अर्जुनपुर हाई स्कूल के प्रांगण में पुलिस पब्लिक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें व्यवसायियों को सुरक्षा देने संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से चर्चा किया गया। पब्लिक के इस प्रस्ताव का पुलिस द्वारा भी समर्थन किया गया। निर्दोष लोगों को पुलिस लफड़े से बचाने की सहमति बनी। गलत लोगों को सलाखों के पीछे करने की भी बात हुई। व्यवसायियों ने नियाजीपुर बाजार से लेकर दुर्गा मंदिर तक हर समय असामाजिक तत्व तथा अपराधियों का जमावड़ा होने लूट छिनतई की घटना को देखते हुए बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा गलत लोगों पर तत्काल कार्रवाई करने की बात कही गई। पुलिस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए मजबूत सुरक्षा के मद्देनजर व्यवसायियों से अपने दुकान मकान के आगे सीसीटीवी कैमरे लगाने का अनुरोध किया। जिससे गलत तथा अपराधी चरित्र के लोगों के गलती का पुख्ता प्रमाण हाथ लग सके। पुलिस पब्लिक संवाद में तिलक राय के हाता ओपी प्रभारी संतोष कुमार तथा रामदास राय के डेरा ओपी प्रभारी संजय विकास त्रिपाठी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों के अलावे ग्रामीणों के साथ राजापुर के मुखिया प्रतिनिधि मदन राय सहियार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोज उपाध्याय के अलावे अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बुधवार को हुआ था पुलिस पब्लिक टकराव : बता दें कि बुधवार की सुबह नियाजीपुर बजार में मिठाई दुकानदार मन्नु साह के दुकान के आगे पुलिस ने पांच पीस फ्रुटी पैक शराब तथा एक देशी कट्टा व गोली बरामद किया था। जिसके बाद पुलिस ने मन्नु को हिरासत में ले अपने जीप में बैठा लिया था। लेकिन स्थानीय ग्रामीण उग्र हो गए थे।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर इंटर कॉलेज, डुमरांव में किया गया सेमिनार का आयोजन

युवाओं को स्वामी जी के सिद्धांतों पर चलकर आगे बढ़ना चाहिएः सागर

केटी न्यूज/डुमरांव

कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित करते अतिथिगण

इंटर कॉलेज में नेहरू युवा विकास समिति, डुमरांव व नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त बैनर तले स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर युवा दिवस का उद्घाटन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र के सामने मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन सामूहिक रूप से सागर माहेश्वरी जिला युवा अधिकारी, शैलेश कुमार राय, प्रोजेक्ट ऑफिसर नमामि गंगे,बक्सर,प्रधानाचार्य सुमन चतुवेर्दी, मनोरंजन त्रिपाठी, डॉ संजय कुमार सिंह, इंद्रेश कुमार सिंह, दिनेश चंद्रवंशी तथा अवधेश कुमार पांडे ने किया। साथ ही उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि किया गया। स्वामी विवेकानंद के जयंती पर सागर महेश्वरी, शैलेश राय, सुमन चतुवेर्दी द्वारा युवाओ, मीडिया कर्मी तथा अतिथियों को अंग वस्त्र, शील्ड तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर जिले में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान- आकृति कुमारी,निलाक्षी कुमारी तथा विद्यासागर को शील्ड तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ संजय कुमार सिंह एवं मंच संचालन पूजा चतुवेर्दी ने किया। कार्यक्रम के दौरान जिला युवा पदाधिकारी सागर माहेश्वरी ने कहा कि युवाओं को स्वामी जी के सिद्धांतों पर चलकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि हमारे बक्सर जिला सहित देश का नाम रौशन हो सके। वहीं शैलेश राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक कर्मठ, देशभक्त और वफादार व्यक्ति थे, तभी उनको आज हम लोग याद कर उनके जन्म दिवस के अवसर पर युवा दिवस मनाते हैं। वही प्रधानाचार्य सुमन चतुवेर्दी ने कहा कि आज पूरा देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी स्वामी जी का डंका बज चुका है। आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। वहीं भूगोल व्याख्याता डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम 8 दिवसीय है। कल युवाओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को निखारना चाहिए जो नवरंग कला मंच द्वारा कराया जाएगा, तभी वह आगे बढ़ सकते हैं तभी उनका नाम देश एवं विदेशों में हो सकता है। उदाहरण हम स्वामी विवेकानंद जी का ले सकते हैं। विवेकानंद वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। वह अमेरिका में स्थित शिकागो में 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किए थे। मौके पर अन्य वक्ताओं एवं विद्यार्थियों ने अपना-अपना विचार स्वामी जी के जीवनी एवं उनके कार्यों पर विचार प्रस्तुत किए। मौके पर नेहरू युवा विकास समिति के सदस्य, शांति महिला विकास समिति, नवरंग कला मंच सहित सच्चिदानंद सिंह, सत्य नारायण मिश्र, सोनी कुमारी, रीता देवी, डॉ पूनम पांडे, पूजा चतुवेर्दी, सुरेंद्र प्रसाद साह, संजय कुमार सिंह, पूजा उपाध्याय, परवेज आलम, प्रशांत कुमार, दीपक कुमार, खुशी कुमारी, अवधेश कुमार, अर्चना कुमारी, चिराग, रीता देवी, रंजना सिंह, पूजा चतुवेर्दी सहित सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं ने भाग लेकर स्वामी जी के विचारों को सुना।

चौसा में उपद्रव: ग्रामीणों की पिटाई के बाद शुरू हुई सियासत, भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

ग्रामीणों की हकमारी कर रही एलएंडटी कंपनी: सम्राट

चौसा में हुई घटना के बाद गुरुवार को किसानों को संबोधित करते नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी।

भाजपा नेता को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। नेताओं ने ग्रामीणों को भरोसा दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

मांगा मुआवजा मिली लाठियां

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के बनारपुर में पुलिस द्वारा आधी रात घर में घुस आंदोलनकारी किसानों के परिजनों की पिटाई का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। एक तरफ बुधवार को इस घटना के प्रतिशोध में बनारपुर के ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा था तो दूसरी तरफ अब इस पर सियासत भी शुरू हो गई है। गुरुवार को भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बनारपुर पहुंच पुलिस पिटाई से पीड़ित परिवारों से मिल घटना की जानकारी ली। इस टीम का नेतृत्व विधान परिषद में विपक्ष के नेता तथा बिहार भाजपा के कद्दावर नेता सम्राट चौधरी कर रहे थे। टीम में उनके साथ पूर्व कृषि मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, भाजा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ओमप्रकाश भुवन तथा भाजपा बक्सर की जिलाध्यक्ष माधुरी कुंवर समेत कई अन्य नेता शामिल थे।

सबसे पहले गांव में पहुंच भाजपा नेताओं ने बारी-बारी से करीब एक दर्जन परिवारों में गए तथा उनसे इस घटना की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस की बर्बर कार्रवाई की पूरी दास्तां सुनाने के साथ ही उनके जायज मांगों के प्रति प्रशासनिक उदासीनता तथा कंपनी प्रशासन से मिलीभगत कर किसानों को पिछले तीन महीने से प्रताड़ित करने की बातें बताई। पीड़ितों ने रात के अंधेरे में घर में घुस पुलिस द्वारा महिलाओं, युवतियों को पीटे जाने का वीडियो भी दिखाया। जिसे देख नेता प्रतिपक्ष गंभीर हो गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इशारे पर किसानों के आंदोलन को बलपूर्व दबाया जा रहा है।

- नेता प्रतिपक्ष ने महागठबंधन की सरकार पर बोला हमला
- कहा, नई सरकार में राज्य भर में किसानों पर अत्याचार बढ़ गया है
- बनारपुर के किसानों की मांग जायज है
- भले जमीन का अधिग्रहण पहले हुआ है लेकिन जब पैसा आज मिल रहा है तो आज के रेट से मुआवजा मिले

पूरी प्रशासनिक टीम की जाए बर्खाश्त

विप में विपक्ष के नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन ग्रामीणों की पिटाई करनेवाले पुलिसकर्मियों को बचा रहा है। सिर्फ थानाध्यक्ष व कुछ पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। जबकि थानाध्यक्ष के साथ ही ग्रामीणों ने बक्सर एसडीओ, एएसडीओ समेत कई अन्य वरीय पदाधिकारियों की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है तथा आरोप लगाया है कि पूरी प्रशासनिक इकाई एलएंडटी कंपनी प्रशासन से मिल ग्रामीणों की हकमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रशासनिक टीम को बर्खाश्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद से ही बिहार भर में किसानों पर अत्याचार बढ़ गया है। बनारपुर के किसानों की मांग जायज है। भले ही जमीन का अधिग्रहण पहले हुआ है लेकिन जब पैसा आज मिल रहा है तो आज के रेट से मुआवजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को जानबूझकर लटकाना चाह रही है। कहा कि यदि राज्य सरकार पहल करे तो हम केन्द्र से आज के रेट में मुआवजा दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रुप डी के पदों पर स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसके लिए कंपनी प्रशासन और राज्य सरकार से बात की जाएगी।

घटना की लिपापोती में जुटा है प्रशासन: अमरेंद्र प्रताप

पूर्व कृषि मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस घटना के बाद प्रशासन लिपापोती में जुट गया है। सिर्फ थानाध्यक्ष को सस्पेंड किया गया है। अमरेन्द्र प्रताप ने कहा कि निरीह ग्रामीणों पर लाठियां बरसाने वाले पूरी पुलिस टीम के साथ ही इस साजिश में शामिल वरीय पदाधिकारियों को बर्खाश्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने पर भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

उच्चस्तरीय कमेटि बना हो मामले की जांच: राघवेन्द्र

बड़हरा विधायक तथा पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक उच्चस्तरीय कमेटि बनानी चाहिए। कमेटि के रिपोर्ट के आधार पर थानाध्यक्ष, वरीय पदाधिकारियों तथा अन्य दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पीड़ित किसानों के साथ खड़ी है। उनके हक को लाठी के बल पर दबाया जा रहा है।

पुलिस की अदूरदर्शिता से भड़का आक्रोश: भुवन

वही भाजपा पंचायती राज मंत्र के प्रदेश संयोजक ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि बुधवार की घटना पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन की अदूरदर्शिता की उपज है। उन्होंने कहा कि मंगलवार की रात पुलिस किसानों के घर में घुस उनके परिजनों पर लाठियां बरसाई थी। इस दौरान पुलिस ने महिलाओं, युवतियों और बुजुर्गो को भी नहीं छोड़ा था। जबकि किसानों का कसूर सिर्फ इतना ही था कि वे अपने हक के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे थे। भुवन ने कहा कि महागठबंधन सरकार में न सिर्फ किसानों बल्कि नौजवानों और बेरोजगारों के आंदोलन को बलपूर्वक दबाया जा रहा है। नौकरी देने का वादा करने वाली सरकार नौकरी मांगने वालों पर लाठियां बरसा रही है। किसानों के नाम पर वोट लेने वालों के राज में किसान खेती के पिक आवर में खाद के लिए पूरी रात दुकानों पर लाईन लगा रहे है। उन्होंने बनारपुर की घटना को अमानवीय करार देते हुए कहा कि बुधवार को किसानों का आक्रोश पुलिस व स्थानीय प्रशासन के उकसावे के कारण घटित हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर 80-85 दिनों से आंदोलन कर रहे किसान पहले क्यों नहीं इतने उग्र हुए थे। भुवन ने किसानों पर सीओ द्वारा कराए गए मनगढंत एफआईआर को भी दुर्भावनाग्रस्त कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय सीओ की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

पीड़ितों से मिलने आज आएंगे चिराग पासवान

वही भाजपा के बाद अब लोजपा रामविलास भी किसानों की हमदर्द बनकर उभरी है। शुक्रवार को लोजपा रामविलास प्रमुख चिराग पासवान बनारपुर पहुंच पुलिसिया जुल्म के शिकार किसानों से मिलेंगे। लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया, पार्टी सुप्रिमो चिराग पासवान के साथ बड़ी संख्या में लोजपा नेता भी आएंगे। अखिलेश ने कहा कि वे किसानों पर हुए जुल्म की निंदा करते हैं तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग मुख्यमंत्री से करते हैं।

भाजपा कार्यकताओं ने सीएम का फूंका पुतला

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार को चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव में आंदोलनकारी किसानों के परिजनों पर आधी रात लाठीचार्ज मामले में भाजपा कार्यकताओं में काफी आक्रोश है। जिसको लेकर भाजपा नेताओं ने डुमरांव प्रखंड के कोरानसराय चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। कार्यक्रम भाजपा बिहार प्रदेश विस्तारक नेता संतोष दूबे के नेतृत्व में किया गया। दूबे ने बताया कि दो सूत्री मांगों पर पूतला दहन किया गया। कड़कती ठं डमें किसान उनके बच्चे व महिलाओं कि पिटाई गैर कानूनी है। इसलिए किसानों को सरकार मुआवजा दे और फर्जी तरीके से की गई पुलिस द्वारा एफआईआर को वापस ले। दोषी पुलिसवालों को बर्खास्त अविलंब बर्खास्त करें। वहीं दुसरा मुद्दा किसानों को यूरिया खाद नही मिलना है। दूबे ने कहा कि यूरिया खाद की अधिकारी कालाबाजारी करा मोटी रकम कमा रहे है। जिससे किसान त्राहमाम कर रहे है। इसलिए सरकार किसानों की इस गंभीर समस्या का निदान करें नही हमलोग आंदोलन को मजबूर हो जाएगें। पूतला दहन कार्याक्रम में राहुल कुशवाहा, अमित दूबे, सोनो कुशवाहा, अंकित यादव, ओमप्रकाश मिश्रा, संजय पाण्डेय, संटू दूबे, अजय कुमार, हरीओम शर्मा सहित दर्जनों किसान मौजूद थे।

अभी सामान्य नहीं हो सका है बनारपुर गांव का माहौल

पुलिसिया दमन के 48 घंटे बाद भी बनारपुर गांव का माहौल सामान्य नहीं हो सका है। हालांकि भाजपा नेताओं के पहुंचने के बाद ग्रामीणों का जरूर हौसला बढ़ गया था तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी बात रखने पहुंचे। लेकिन उन्हें इस बात का डर भी सता रहा था कि कही पुलिस न आ जाए। मंगलवार की रात पुलिस ने जिस निर्मम तरीके से उनकी पिटाई की थी इससे पूरा गांव सहम उठा है। वही बुधवार को हिंसक प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों पर एफआईआर दर्ज कराया गया है। इस डर से भी ग्रामीण भयजदा हैं। उन्हें इस बात का डर सता रहा है कि एफआईआर और पुलिस पर हमले के आरोप में उन्हें गिरफ्तार न कर लिया जाए। नेताओं के जाने के बाद इसका नजारा भी देखने को मिला जब गांव की गलियां सुनी पड़ गई। भय कारण ही अपने उपर हुए जुल्म का एफआईआर गुरुवार को भी पीड़ित परिवार दर्ज नहीं करा सका है। हालांकि विधान परिषद में भाजपा के नेता सम्राट चौधरी समेत शिष्टमंडल ने उन्हें अपनी साथ हुई घटना का मामला दर्ज कराने को कहा गया तथा उनका हौसला भी बढ़ाया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि वे पीड़ित परिवार तथा किसानों के साथ हर समय खड़े है। बक्सर के सांसद व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने ग्रामीणों को यह भरोसा दिलाया है कि किसी भी हाल में उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। सदर विधायक ने भी इसका भरोसा दिलाया है, इसके बाद भी ग्रामीणों में पुलिस की कार्रवाई का भय सता रहा है।

लठबंधन बिहार सरकार का वीभत्स चेहरा उजागर हुआ: विवेक ठाकुर

बक्सर। चौसा में किसानों पर पुलिस की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई अति निंदनीय है। बक्सर पुलिस ने नीतीश सरकार के इशारे पर आंदोलनकारी किसानों के बहू-बेटियों पर रात के अंधेरे में चोर की तरह घुसकर लाठी भांजा है। कायरों की तरह यह कुशासन की सरकार लोगों की आवाज को दबाना चाह रही है। यह बात राज्य सभा सांसद सह भाजपा नेता विवेक ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि किसान पिछले तीन महीनों से जमीन अधिग्रहण के मुआवजा की मांग को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे बातचीत द्वारा हल किया जा सकता था। क्या वे किसान परिवार अपराधी थे! जो रात में उनके घरों में घुसकर मारपीट की गई। बिहार में पुलिस और अपराधी दोनों बेलगाम हो गए हैं। यह अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अफसरों को खुश करने में कंपनी ने बहाया पैसा

किसानों का आरोप है कि नेताओं व अधिकारियों की चापलूसी और उन्हें खुश करने में कंपनी ने पानी की तरह बहाया। कई अधिकारियों को नजराने के तौर पर लाखों की सौगात दी गई। किसानों पर जिस अधिकारी द्वारा जितना अधिक जुल्म हुआ उसे कम्पनी द्वारा उतनी सुविधा उपलब्ध कराई गई। पुनः कम्पनी द्वारा 2022 में रेलवे पाइप लाइन के लिए किसानों की लगभग 250 एकड़ जमीन अधिग्रहण करने की कार्रवाई शुरू हुई।

संग्राम की धरती रही है चौसा मुगल बादशाह को मिली थी मात

केटी न्यूज/चौसा

थर्मल पॉवर प्लांट के भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर किसानों और पुलिस के बीच मारपीट की घटना से सुर्खियों में आए चौसा संग्रामों की धरती रही है। यहां के लोग काफी जीवट व आत्मसम्मानी होते है। मध्यकाल में शेरशार सूरी के नेतृत्व में यहां के लोगों ने मुगल बादशाह हुमायूं की सेना को पराजित कर दिया था। 29 जून 1539 ई को हुए इस युद्ध में मुगल सेना को न सिर्फ करारी हार मिली थी बल्कि इस युद्ध ने भारत में मुगल सत्ता की जड़ें हिला कर रख दी थी। जिसके अगले साल एक बार फिर से हुमायूं की सेना को शेरशाह की सेना के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही भारत में मुगल सत्ता कमजोर पड़ी थी। जिसका लाभ अंग्रेजों ने उठाया था।

मध्यकाल की यह घटना आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। इसके अलावे कुछ वर्ष पहले चौसा में दिन में बैंक में लूट की घटना हुई थी। ग्रामीणों ने अपनी जान की परवाह छोड़ लुटेरों का पीछा कर उन्हें पकड़ा था। ग्रामीणों की पिटाई से एक लूटेरे की मौत भी हुई थी। इन घटनाओं ने यह साबित किया है कि चौसा के लोग आत्मसम्मानी व जीवट वाले होते है। यही कारण है कि मंगलवार की रात पुलिस ने जब उनके अस्मत पर हमला किया तो वे बर्दाश्त नहीं कर सके।

पुलिसिया बर्बरता के बाद हुए उग्र आंदोलन की घटना की प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने की निंदा

कांग्रेस की तीन सदस्यीय टीम करेगी घटना की जांच

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में निमार्णाधीन थर्मल पावर प्लांट के भू अधिग्रहण मामले में मुआवजा की मांग पर अड़े किसानों पर पुलिसिया बर्बरता और उसके बाद हुए उग्र आंदोलन की घटना की बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने निंदा की है। घटना को देखते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने तीन विधायकों की जांच समिति का गठन किया है। इस जांच समिति में बक्सर सदर से कांग्रेस विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, राजपुर विधायक विश्वनाथ राम और औरंगाबाद विधायक आनन्द शंकर सिंह को शामिल किया गया है।

पुलिस की कार्रवाई से नाराज किसानों ने बुधवार को 18 वाहन फूंक दिए थे।

जांच समिति को जांच करके अविलंब रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह को सौंपने के लिए निर्देशित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि बक्सर जिलान्तर्गत चौसा में निमार्णाधीन थर्मल पावर प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण के उचित मुआवजे की मांग पर 85 दिनों से धरना दे रहे किसानों के द्वारा जारी प्रदर्शन के क्रम में चौसा के बनारपुर गांव के किसानों के घरों में मंगलवार को आधी रात में पुलिस ने पुरूष, महिलाओं और बच्चों को लाठी-डंडे से बर्बर पिटाई की थी। इसके बाद तीन लोगों को उनके घर से पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया गया। इससे स्थानीय किसानों ने आक्रोशित होकर पावर प्लांट को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जांच करने के लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा जांच कमिटी का गठन किया गया है जो इस मामले की जांच कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के समक्ष अविलंब रिपोर्ट जमा करेंगे।

ग्रामीणों से जबरदस्ती कर रही एलएंडटी कंपनी: माले

केटी न्यूज/डुमरांव

चौसा में किसानों पर बर्बर पुलिस दमन और उसके बाद किसान आंदोलन के उग्र हो जाने की घटना के तमाम पहलुओं की माले की उच्चस्तरीय टीम ने जांच की। जांच टीम में माले के डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा के साथ-साथ जगनारायण शर्मा, नीरज कुमार और शिवजी राम शामिल थे। टीम ने बनारपुर गांव का दौरा किया जहां रात में सो रहे किसानों के ऊपर पुलिस ने लाठियां चलाई थी।

जांच टीम को पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई का वीडियो भी दिखलाया। ज्ञात हो कि चौसा में निर्मित हो रहा थर्मल पावर प्लांट एनटीपीसी का प्रोजेक्ट है। वह अपनी सहयोगी कंपनी एसजीवीएन के जरिए निर्माण कार्य चला रही है। इसके लिए 2010-11 में ही लगभग एक हजार एकड़ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

तय हुआ था कि 36 लाख रूपया प्रति एकड़ की दर से जमीन का मुआवजा मिलेगा, लेकिन अपने वादे से मुकरते हुए सरकार महज 28 लाख रूपए प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने लगी। किसानों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। 50 प्रतिशत से अधिक किसानों ने मुआवजा नहीं लिया।

छोटी खबरें

थाने में शिकायत करने पर प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या

मऊ। हलधरपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर बरहिया ग्राम पंचायत के मुहवां विजयगढ़ में एक विवाहिता की सरेशाम निर्मम हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि मृतका खुशबू 30 वर्ष पत्नी रामानंद मुहवां विजयगढ़ की निवासिनी है और उसका पति पिछले 1 वर्ष से बाहर रहता है। पिछले 3 वर्ष से गांव के ही एक युवक से खुशबू का प्रेम प्रसंग चल रहा था। गुरुवार की प्रातः प्रेमी प्रेमिका के बीच किसी बात पर विवाद हो गया। प्रेमिका की शिकायत पर 112 नंबर पीआरवी वाहन भी आई थी और समझा-बुझाकर के चली गई। परंतु विवाद थमा नहीं। इस बीच दोनों में फिर से कहासुनी हो गई, जिससे कुपित होकर के विवाहिता खुशबू अपने प्रेमी के विरुद्ध हलधरपुर थाने में शिकायत करने चली गई। थाने से निकल कर वह घर जा रही थी। इस बीच मुहवां चट्टी के समीप उसके प्रेमी ने उस पर कुल्हाड़ी से तावड़ तोड़ हमला कर दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन आरोपी भाग निकला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी फरार चल रहा है।

चौकीदार की मौत

मऊ। कोतवाली थाना क्षेत्र के सहादतपुरा पुरानी तहसील के पास एक निजी आवास पर चौकीदारी कर रहे एक व्यक्ति की ठंड लगने से मौत हो गई। बताया जाता है कि नकुल सिंह यादव गाजीपुर जनपद के कासिमाबाद थाना अंतर्गत सिधौत का रहने वाला है। मऊ जनपद कोतवाली थाना क्षेत्र के सहादपुरा पुरानी तहसील के पास धनंजय त्रिपाठी के खाली आवास पर चौकीदारी कर रहे थे गुरुवार की देर रात चौकीदारी कर अपने कमरे में खाना खाकर सो रहे थे जब सुबह 9:00 बजे दरवाजा नहीं खुला तो लोगों को आशंका हुई। तभी किसी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ कर देखा, तो वह मृत पड़े हुए थे। सीसीटीवी कैमरे के अनुसार लोगों ने देखा तो ठंड लगने से मौत की आशंका जताई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

मऊ। जनपद के कोपागंज क्षेत्र के ग्राम सभा लारनपुर में रेलवे अंडरपास के पास रास्ते की मांग को लेकर गुरुवार की सुबह ग्रामीण प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे भाजपा गोरक्षा प्रान्त के मंत्री अखिलेश तिवारी ने रेलवे विभाग के अधिकारियो से वार्ता करते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया की रेलवे के अधिकारी मौके पर आकर कोई इस समस्या का कोई रास्ता निकालेंगे। जब जाकर ग्रामीण शांत हुए। बताते चले की कोपागंज क्षेत्र के ग्राम लारनपुर में रेलवे द्वारा अंडरपास का निर्माण कराया गया है। अंडरपास के पूर्व में लारनपुर के लोग देवकली ग्राम सभा में जाने के लिए रेलवे की जमीन पर स्थित रास्ते का प्रयोग करते थे।

आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में होगा सबसे ज्यादा पर्यटन स्थलः भूपेन्द्र

- प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर मऊ से गाजीपुर तक जगह-जगह हुआ स्वागत
- भाजपा जिला कार्यालय के कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से भी की वार्ता

केटी न्यूज/गाजीपुर

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि व अन्य

देश को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनाने का काम हमारी सरकार ने किया। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग हमने प्रशस्त किया। हमारी आस्था पर दूसरे लोगों का अधिकार था। आज हम अपने आस्था के प्रति स्वतंत्र है। यह बात वृहस्पतिवार को अपने एक दिवसीय प्रथम सांगठनिक दौरे में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह की अध्यक्षता मे पदाधिकारियों मोर्चा अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, प्रभारियों, नगर निकाय चुनाव प्रभारी, संयोजक, विधानसभा प्रभारी संयोजक सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश की सभ्यता संस्कृति को आगे बढाना है। हमें भारत को परम वैभव पर ले जाना है। प्रदेश अध्यक्ष ने केन्द्र और प्रदेश सरकार कि अन्य तमाम उपलब्धियों का जिक्र करते हूए कहा कि आने वाले दिनों में दुनिया का कोई अगर सबसे ज्यादा पर्यटन का क्षेत्र होगा तो वह उत्तर प्रदेश होगा। जिसमें अयोध्या, सहारनपुर, बाबा विश्वनाथ कारिडोर वाराणसी, मां विंध्याचल धाम मिजार्पुर, कुशीनगर सहित तमाम ऐसे स्थल हैं। जहां पर्यटन कि अपार संभावनाएं है।

उन्होंने कहा कि हमें पहले लाल किला, भुलभुलैया, कुतुब मिनार, ताजमहल को सांस्कृतिक धरोहर बताया जाता था। लेकिन लोगों कि धारणा बदली है। हमारी सरकारों ने गुंडागर्दी, बेइमानी, लूट, हत्या, चोरी, भ्रष्टाचार आदि कुरीतियों को समाप्त करने के लिए काम कर रही है। पूर्व की सरकारें माफियाओं और दंगाइयों के साथ खड़ी रहती थी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं की तरह किसी भी राजनीतिक दल में कार्यकर्ता नहीं हैं, यहां कोई नेता नहीं सभी कार्यकर्ता हैं और कार्यकताओं के लिए भारतीय जनता पार्टी में सभी पदों पर आरक्षण है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि सच्चे मन से कार्य करिए पार्टी आपके विचारों और सपनों को लगातार साकार करने का प्रयास कर रही है। हमसे बेहतर कोई नहीं इस संकल्प भावना से काम करते हुए मन को कभी उपेक्षित न करिए आज दुनिया का ध्यान भारत की ओर है। हमारी सरकार देश की 130-135 करोड़ जनता के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है, जहां सभी के लिए संभावनाएं हैं। उन्होनें विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बढ़ती आबादी देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। देश कि पूरी आबादी को जितने संसाधनों की जीवन सुगमता के लिए आवश्यक्ता है। उन नागरिक सुविधाओं को दिलवाने का हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। जबकि पूर्व की सरकारों के तुष्टिकरण के चलते देश में विदेशी घुसपैठ बढ़ता गया। जिसके तीन करोड़ से ज्यादा लोग हमारे संसाधनों पर नाहक कब्जा किए बैठे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व मे देश प्रदेश लगातार आगे बढ रहा है। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने जिले की संगठन संरचना से अवगत कराते हुए प्रदेश अध्यक्ष का पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया।

जिला प्रभारी अशोक मिश्रा ने सबके प्रति धन्यवाद आभार प्रकट किया। बैठक में पं दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन पर उनके चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजली अर्पित करते हुए वंदेमातरम गायन से हुआ। संचालन जिला महामंत्री ओमप्रकाश राय ने किया।

स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

प्रधान सेवक बन कर देश को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं प्रधानमंत्री मोदीः स्वतंत्र देव सिंह

- अतिथियों व वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर डाला प्रकाश
- युवाओं को देश के लिए कार्य करने और आगे बढ़ने का दिया संदेश

केटी न्यूज/बलिया

कार्यक्रम का उद्घाटन करते भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व अन्य

सिकंदरपुर के गांधी इंटर कॉलेज के मैदान में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी पूर्व विधायक सजंय यादव, जिलाध्यक्ष जय प्रकाश साहू ने विवेकानंद जी के तैल चित्र पर दिप प्रज्वलित कर किया।

लोगों को संबोधित करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जब जातिवाद, क्षेत्रवाद, ऊंच-नीच के दौर से भारत माता जकड़ी हुई थी तब स्वामी विवेकानंद ने बंगाल की धरती से जन्म लेकर घर परिवार छोड़ भारत माता को आजाद कराने के लिए दिन-रात भटकते रहे। रामकृष्ण परमहंस के यहां पहुंच वहां से उन्होंने उनके कहने पर माता का दर्शन किये और भारत माता को आजाद कराने व देश को बदलने के लिए निकल पड़े। उसी तरह आज उस अधूरे कार्यों को गुजरात में जन्म लेकर पैदा हुए नरेन्द्र मोदी जो चाय बेचते बेचते देश के प्रधान सेवक बन कर देश को आगे बढ़ाने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं। आज मोदी के युग में छात्र-छात्राएं नौजवान के लिए आगे बढ़ने का दरवाजा खुल चुका है। आज ईमानदार, ज्ञानी व राष्ट्रभक्त जो होगा, वही देश पर राज करेगा। आज देश के स्वच्छता कर्मियों का पैर धोकर सम्मान करने वाले देश के प्रधानमंत्री हैं। शांति व समृद्धि ही देश को आगे बढ़ा सकती है। उपस्थित छात्र व छात्राओं को जल संचय करने की अपील भी किया। आज स्वामी विवेकानंद जी के मार्गदर्शन पर चलने के कारण पूरा विश्व भारत के तरफ देख रहा है। स्वामी विवेकानंद जी के सपनों को साकार करते हुए बेटियों को भी शिक्षा के मुख्यधारा में जोड़ा गया है। सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलने का कार्य आज किया जा रहा है। करोना जैसे महामारी के दौरान भी देश में अस्सी करोड़ लोगों का पेट भरने का कार्य देश के प्रधानमंत्री ने किया और करोना से बचाने का भी काम किया।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहा कि युवाओं का प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी है स्वामी विवेकानंद का जीवन बहुत ही कठिन रहा है सन्यास वैराग्य को उन्होंने चुना वह अपने लिए नहीं बल्कि देश व समाज के लिए काम करते रहे। इसलिए आज भी वह युवाओं का प्रेरणा स्रोत हैं। इस दौरान मंच पर विशिष्ट अतिथि शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष आनंद स्वरूप महाराज, पूर्व विधायक संजय यादव, पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी, डॉ. देवेंद्र नाथ सिंह, छद्दू राम, केशव चौधरी, सत्येंद्र राजभर आदि ने संबोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू व संचालन डॉक्टर विद्यासागर उपाध्याय ने किया। यूपी बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के क्षेत्र के टॉप टेन छात्र व छात्राओं को कैबिनेट मंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सामुदायिक जेटी का उद्घाटन करेंगे पीएम

बलिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की सुबह 10 बजे वर्चुअल कार्यक्रम के जरिए हल्दी थाना क्षेत्र के गंगापुर हुकुम छपरा गंगा घाट पर सामुदायिक जेटी का उद्घाटन ऑनलाइन दिल्ली से करेंगे। इस दौरान वाराणसी से डिब्रुगढ़ जाने वाली गंगा विलास क्रूज को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी करेंगे। कार्यक्रम को हुकुमछपरा घाट से लाइव टेलीकास्ट का प्रसारण दिखाया जाएगा। इसकी तैयारी गुरुवार को गंगा नदी के हुकुम छपरा गंगा घाट पर जोर शोर से देखने को मिली। कार्यक्रम को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण (भारत सरकार) पटना के निदेशक एलके रजक के निर्देशन में पहुंची टीम ने हुकुम छपरा घाट पर मोर्चा संभाल लिया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभाग के पर्यावरण अधिकारी रितेश पांडे व सिविल इंजीनियर उत्कर्ष प्रताप सिंह अपने देखरेख में मंच सहित गंगा घाटों की साफ-सफाई में जुट गए हैं।

एक नजर

जेएनसीयू में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय के संरक्षण में स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनायी गयी। स्वामी विवेकानंद , माता सरस्वती , जननायक चंद्रशेखर जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। विवेकानंद जी के शिकागो व्यक्तव्य के संबंध में बताया कि भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को पूरे विश्व में स्थापित किया। स्वामी जी ने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की आध्यात्मिक अनुभूतियों को आत्मसात करके अद्वैत वेदांत के दर्शन का पूरे विश्व में प्रचार- प्रसार किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को याद करते हुए उनके पद चिह्नों पर चलने की बात कही। डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय ने भारतीय संस्कृति की सनातनता की बात करते हुए कहा कि विवेकानंद जी ने उसे आधुनिक संदर्भों के अनुरूप व्यख्यायित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनीत सिंह और संचालन डॉ. अजय चौबे ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर के प्राध्यापक गण डॉ. विजयशंकर पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. प्रेमभूषण आदि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

92 एनसीसी ने धूमधाम से मनाया युवा दिवस

गाजीपुर। स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय की 92 एनसीसी यूनिट द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने कैडेट को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के निर्णय के मुताबिक 1984 को अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया गया। इसके महत्व पर विचार करते हुए भारत सरकार ने घोषणा की। 1984 से 12 जनवरी यानी स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती के दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर कैडेट अनीश सोगरा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विश्वव्यापी विचार को न सिर्फ भारत अपितु विश्व के युवाओं ने भी स्वीकार किया है। लेफ्टिनेंट डॉ. विलोक सिंह ने स्पष्ट किया कि भारतीय आत्मा को अक्षुण्ण रखते हुए सार्वभौमिक विचारों से संवाद स्वामी जी की प्रमुख विशेषता रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नितिन राय, डॉ. विशाल सिंह छात्र-छात्रा स्वयंसेवक सेविका व अन्य उपस्थित रहे।

कुंवरपुर नाला के पास मुंह बांधे दबंग युवकों ने बैट से प्रहार कर किया घायल, प्राथमिकी दर्ज

गाजीपुर। नंदगंज थाना क्षेत्र के बरहपुर लखमीपुर निवासी संविदा कर्मी विद्युत लाइनमैन विनोद कुशवाहा उर्फ पप्पू को बुधवार की शाम को कुंवरपुर नाला के पास गमछे से मुंह बांधे दो दबंग युवकों ने बैट से प्रहार करके घायल कर दिया। जिसमें उसका सिर फट गया है। गाली गलौज के साथ धमकी देते हुए भाग गए। विद्युत विभाग के एसडीओ प्रदीप कुमार गुप्ता ने बुधवार की देर रात घायल के साथ थाना जाकर दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी। घायल विनोद कुशवाहा ने बताया कि पहाड़पुर पावर हाउस में मैं संविदा लाईनमैन हूं। बुधवार की शाम कुंवरपुर गांव में कम्प्लेन बनाकर वापस आ रहा था ।वाराणसी गाजीपुर मुख्य रोड के बगल कुंवरपुर नाला के पास दो युवक गमछा से मुंह बांधे खड़े थे। जैसे ही मैं पास आया की वह दोनों युवक बगल में खेल रहे लड़कों से बैट लेकर बिना कुछ कहे मारने लगे। जिससे हमारे सिर में गम्भीर चोट के साथ हाथ में भी चोंट लगी है। थानाध्यक्ष महेन्द्र सिंह ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत करके पुलिस छानबीन कर रही है। वही विद्युत कर्मियों का कहना है कि पुलिस दबंग युवकों के खिलाब कठोर कार्रवाई नहीं करती है तो हम लोग भी मजबूरन धरने पर बैठ जायेंगे। क्योंकि हम सभी की सुरक्षा जरुरी है।

पुण्यतिथि पर किया गया कंबल वितरण

बलिया। क्षेत्र के त्रिकालपुर गांव निवासी भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद सिंह के पिता स्व. कपिलदेव सिंह की प्रथम पुण्यतिथि सादगीपूर्ण तरीके से उनके आवास पर मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री उपेंद्र तिवारी ने स्व. सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।इस अवसर पर 251 असहाय व जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किया गया। सच्चिदानंद सिंह, संतोष पांडे, अजय कुमार सिंह, टुनटुन उपाध्याय, शंभूनाथ गिरी, संतोष सिंह,सतीश उपाध्याय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

तमंचा और करतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

बलिया। पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुरुवार को देसी तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों युवकों के पास से दो देसी तमंचा 315 बोर व तीन जिंदा कारतूस भी बरामद की है।

पुलिस ने पकड़े अभियुक्तों का सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया है। एसएचओ बैरिया धर्मवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिली की बाइक सवार दो युवक बिहार की तरफ से आ रहे हैं,जिनके पास अवैध तमंचा है,जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है।सूचना पर चौकी प्रभारी बैरिया अतुल कुमार मिश्र ने जवानों के साथ मठ योगेन्द्र गिरी तिराहा पर वाहनों की चेकिंग करने लगे।इस दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक आता दिखाई दिए।जब बाइक को रोकने का इशारा किया गया तो भागने का प्रयास करने लगे। जिसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अभियुक्तों की पहचान गोलू कुमार यादव व मृत्युंजय उर्फ रोहित गुप्ता निवासीगण शीतलदौनी थाना बांसडीह के रूप में हुई।उक्त दोनों अभियुक्तों की तलाशी के दौरान 02 देसी तमंचा 315 बोर, 03 जिंदा कारतूस व बाइक बरामद हुई है। गिरफ्तार उक्त अभियुक्तों पर मुकदमा दर्ज करते हुए चालान कर न्यायालय भेज दिया।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को तराशा है: चंद्रशेखर

केटी न्यूज/गाजीपुर

नंदगंज बाजार स्थित रेनबो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में गुरुवार को 'अंकुरण' विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित चंद्रशेखर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने सन 1942 में शहीद हुए स्थानीय सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत गाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि इस ग्रामीणांचल के सभी शिक्षकों को साधुवाद दिया। जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण ज्ञान से विद्यार्थियों की प्रतिभा को तराशने का काम किया है। उम्मीद है कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय अपनी भूमिका का निर्वहन करता रहेगा। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा लगाई गई। विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी के सभी पटल का अवलोकन कर बच्चों के प्रयास की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में इकोफ्रेंडली मॉडर्न सिटी, विलियम शेक्सपीयर व मुंशी प्रेमचंद की जीवनी, इलेक्ट्रिक बाइक, भ्रूणहत्या रोको, सेनेटरी पैड की आवश्यकता सहित अन्य विषयों से सम्बन्धित पटल स्थापित किए गये थे। विनीत शर्मा व प्रबंधक अरुण जायसवाल ने अतिथियों व अभिभावकों का आभार जताया।

रात में बाइक से मूर्ति लेकर वाराणसी के लिए ट्रेन पकड़ने वाले थे चोर

चोरी गई राम, लक्ष्मण और जानकी की मूर्ति बरामद, लोगों में खुशी

- कोहरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हुए अपराधी, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बलिया

बरामद मूर्तियां

जनपद के उभांव थाना के तेलमा जमालुद्दीनपुर और मालीपुर के प्राचीन मंदिर से चोरी की गई राम, लक्ष्मण और जानकी की मूर्ति बुधवार की देर रात उभांव थाना पुलिस की बरामद करने में सफलता मिली। किन्तु मूर्ति चोर कोहरे का लाभ लेकर भाग जाने में सफल हो गए। उभांव इंस्पेक्टर राजीव कुमार मिश्र ने इसकी पुष्टि किया। बरामद मूर्ति में दो पीतल और तीन अष्टधातु की मूर्ति शामिल है। जानकारी के अनुसार चोर रात में बाइक से मूर्ति लेकर वाराणसी के लिए ट्रेन पकड़ने वाले थे। इस बीच अवाया ढाबा पर खाना खाने के लिए रुक गए। इस बीच पुलिस भी दैनिक गश्त करते हुए पहुंच गई। पुलिस को देख मूर्ति से भरी बोरी छोड़ चोर बाइक लेकर भाग निकले। संदेह होने पर पुलिस ने रात में पीछा भी किया, लेकिन कोहरे का लाभ लेकर चोर निकल भागे। बरामद मूर्ति में भगवान लक्ष्मण और माता सीता की दो पीतल की मूर्ति है। जो तेलमा जमालुद्दीनपुर गांव के मंदिर से 9 जनवरी को चोरी हुई थी। जिसे लेकर आधी रात को ही उभांव इंस्पेक्टर राजीव कुमार मिश्र ने मूर्ति की पहचान महंत मोहन दास पांडे से करवा ली। जिसके साथ ही तेलमा जमालुद्दीनपुर मंदिर से मूर्ति चोरी का खुलासा हो गया। जबकि अन्य तीन बरामद मूर्ति भगवान राम, लक्ष्मण और सीता अष्टधातु की है। जो 20 दिसंबर को मालीपुर प्राचीन कुटी मंदिर से चोरी हुई बताई जा रही है।

मंदिर से मूर्ति चोरी की घटना के बाद से ही एसपी राजकरण नैय्यर के निर्देश पर सक्रिय पुलिस लगातार दबिश लगी थी। इस बीच बुधवार की रात साढ़े दस बजे के आसपास उभांव थाना के सिपाही गोविंद मौर्य और अमित पटेल अवाया ढाबा पर पहुंचे। जहां पुलिस को देखते ही संदिग्ध दो युवक अपना बोरा में भरा सामान छोड़ निकल भागे। इसके पूर्व संदिग्ध युवकों ने खाना का ऑर्डर देकर अलाव के पास बैठे थे। जो पुलिस को देखते ही निकल गए। जिसके कारण ढाबा संचालक शंभूनाथ चौरसिया के पुत्र ने युवकों को आवाज लगाई। जिसे सुन पुलिस के कान खड़े हो गए और पूरी जानकारी लेने के बाद युवकों के छूटे बोरे का निरीक्षण किया और तत्काल बाइक से उनका पीछा किया। पीछा करने के बावजूद कोहरे का लाभ लेकर वे निकल भागे। जिसकी सूचना सिपाहियों ने तत्काल इंस्पेक्टर को दी। जिसके बाद आसपास के कई थानों की पुलिस ने घेराबंदी किया लेकिन सफलता नहीं मिली। रात में पहुंचे उभांव इंस्पेक्टर राजीव कुमार मिश्र को ढाबा संचालक शंभू चौरसिया ने बताया कि बाइक से पहुंचे दोनों संदिग्ध युवक अलाव के पास बैठे थे और खाने का ऑर्डर दिया। लेकिन पुलिस जवानों को देखकर दोनों निकल भागे।